CIN-NO-UT4999RJ2020PTC0679.
UN NO-200022186

Title Code-RAJHIN27921

मरूधर विशेष

वर्षः 1 अंकः 44 | हिन्दी | प्रातः कालीन | जयपुर, गुरूवार, 22 सितम्बर, 2022 | पृष्ठ :4 | मूल्यः 2 रुपए

छोटी-बड़ी खबरे...

सिरोही में 4 लाख की रिश्वत लेते एसआई गिरफ्तार

वकील और दलाल को रंगे हाथ पकड़ा, 1 दिन पहले लिए थे 1 लाख रुपए

सिरोही। सिरोही जिले के मंडार थानाधिकारी अशोक सिंह को 4 लाख रुपए की रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया गया है। थानाधिकारी के साथ 1 वकील और 1 दलाल भी पकड़ा गया है। आरोपियों ने पीड़ित से रेप के मामले में मदद करने और मामले को हल्का करने की एवज में 10 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। इस दौरान सौदा 5 लाख रुपए में तय हुआ था, जिसमें से 1 लाख रुपए मंगलवार को 1 व्यक्ति लेकर चला गया था। रेवदर के पास एक होटल में बुधवार को बाकी 4 लाख रुपए लेते थानाधिकारी समेत 3 लोगों को जालोर और जोधपुर एसीबी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। जालोर एसीबी के ASP महावीर सिंह राणावत ने बताया कि पीड़ित मुकेश प्रजापत ने उनको शिकायत दी थी। उसने शिकायत में बताया कि उसके खिलाफ गुजरात की एक महिला ने मंडार थाने में केस दर्ज कराया था। इस रेप केस में मदद करने और मामले को हल्का करने की एवज में मंडार थाना प्रभारी एसआई अशोक सिंह चारण, एडवोकेट अभिमन्यु सिंह और दलाल अनिल सिंह के जरिए 10 लाख रुपए मांगकर परेशान कर रहे हैं। इस पर एसीबी की टीम ने शिकायत का सत्यापन कराया। इस दौरान सौदा 5 लाख रुपए में तय हुआ और इसमें से 1 लाख रुपए मंगलवार को ही एक व्यक्ति ले गया, जबकि 4 लाख रुपए बुधवार को देना तय हुआ। शिकायत सही पाए जाने पर एसीबी ने ट्रैप का प्लान बनाया। राणावत ने बताया कि प्लान के अनुसार बुधवार सुबह पीड़ित 4 लाख रुपए लेकर आरोपियों को देने गया। इस दौरान उसने एडवोकेट और दलाल को 4 लाख रुपए देकर एसीबी को इशारा कर दिया। इस पर टीम ने दोनों आरोपियों को 4 लाख रुपए के साथ गिरफ्तार कर लिया। वहीं जोधपुर एसीबी की टीम ने मंडार थाने से अशोक सिंह को हिरासत में ले लिया और सभी को लेकर सिरोही पहुंची, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है।

राजस्थान में पहली बार 6-9 जनवरी तक होगी सीईटी

8 विभागों के 3000 पदों के लिए होगा एग्जाम, 21 अक्टूबर तक होंगे आवेदन

जयपुर। राजस्थान में पहली बार 6 से 9 जनवरी के बीच कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी सीईटी होगा। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने बुधवार को ग्रेजुएशन लेवल के कैंडिडेट्स के लिए सीईटी का सिलेबस भी जारी किया। 8 सरकारी विभागों में 3000 से ज्यादा पदों पर नौकरी के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट होगा। कैंडिडेट्स 22 सितंबर से 21 अक्टूबर तक राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

सीईटी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी

सीईटी में आने वाले अंकों को सार्वजनिक किया जाएगा। परीक्षा में किसी तरह का कोई पासिंग मॉर्क्स नहीं होगा। बल्कि किसी पद विशेष की भर्ती के समय इस परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाएगा। इस परीक्षा की वैधता 1 साल के लिए रहेगी। ऐसे में अभ्यर्थी एक बार परीक्षा देने के बाद 1 साल तक उन्हीं अंकों के आधार पर नौकरी के लिए आवेदन कर सकता है।

इस परीक्षा में बैठने के लिए किसी तरह की कोई सीमा नहीं होगी। जितनी बार चाहें उतनी बार यह परीक्षा दे सकते हैं।

सीईटी के लिए आयु एवं अन्य मापदंड के संबंध में राज्य में पहले से चल रहे आरक्षण नियम ही लागू होंगे।

ये सिर्फ एक पात्रता परीक्षा होगी, इस आधार पर किसी व्यक्ति को नौकरी देने के लिए आयोग मजबूर नहीं होगा।

आयु सीमा- कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट में में शामिल होने के लिए उम्मीदवार की उम्र 18 से 40 साल होनी जरूरी है। वहीं आरक्षित श्रेणी को 40 साल से ज्यादा का होने पर भी कैंडिडेट्स को शामिल होने की छूट दी जाएगी।

आवेदन शुल्क- कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट में शामिल होने के लिए कैंडिडेट्स को आवेदन ई-मित्र कियोस्क या जन सुविधा केन्द्र (CET) के माध्यम से करना होगा। जिसमें जनरल कैटेगरी, क्रीमीलेयर कैटेगरी के ओबीसी और अति पिछड़ा वर्ग के लिए 450 रुपए फीस रखी गई है। जबकि नॉन क्रीमीलेयर कैटेगरी के पिछड़ा,अति पिछड़ा और आर्थिक कमजोर वर्ग के लिए 350 रुपए, विशेष योग्यजन और एससी-एसटी के लिए 250 रुपए और सालाना 2.50 लाख रुपए से कम आय वाले परिवार के कैंडिडेट के लिए भी 250 रुपए परीक्षा शुल्क रखा गया है।

ऐसे करें आवेदन- ऑनलाइन आवेदन करने के लिए सबसे पहले ऑफिशियल वेबसाइट पर जाना होगा।

सरपंच तारा देवी जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस झुंझुनू ने कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव के निधन पर किया शोक व्यक्त

नवलगढ़। ग्राम बाय सरपंच तारा देवी जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस झुंझुनू ने राजू श्रीवास्तव - (उत्तर प्रदेश फिल्म बोर्ड के चेयरमैन व राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। सरपंच तारा देवी ने बताया कि राजू श्रीवास्तव से उनके पारिवारिक संबंध रहे व उनके निधन से हमारे पूरे परिवार में शोक व्याप्त है। सरपंच तारा देवी ने ईश्वर से प्रार्थना करी की श्री राजू श्रीवास्तव जी की दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें व परिवार के सदस्यों को यह दुख सहन करने की शक्ति दें.

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी विडियो केस

छात्रा एक हफ्ते से बना रही थी लड़कियों के वीडियो; HC पहुंचा मामला, सीबीआई जांच की मांग

चंडीगढ़। मोहाली की चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी (CU) के गर्ल्स हॉस्टल में लड़कियों के अश्लील वीडियो बनाए जाने से जुड़े मामले में नए खुलासे हो रहे हैं। केस की इन्वेस्टिगेशन कर रही पंजाब पुलिस की SIT की जांच में पता चला है कि आरोपी छात्रा एक हफ्ते से लड़कियों के अश्लील वीडियो बनाकर अपने दोस्तों को भेज रही थी। वहीं अब यह मामला पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट पहुंच गया है। एडवोकेट जगमोहन सिंह भट्टी ने पिटीशन दायर कर पूरे केस की केंद्रीय जांच एजेंसी (CBI) से जांच की मांग की है। एडवोकेट ने कहा कि यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट और पंजाब सरकार लड़कियों की सुरक्षा में नाकाम रहे। जिससे छात्राएं डरी हुई हैं। इसका पूरा सच सामने लाने के लिए सीबीआई जांच जरूरी है।

लड़की ने कई और लड़के के नाम उगले

आरोपी छात्रा ने पूछताछ में कई और लड़कों के नाम भी लिए हैं जिन्हें पूछताछ में शामिल किया जा सकता है। SIT ने आरोपी छात्रा का लैपटॉप फॉरेंसिक लैब भेज दिया है। पंजाब पुलिस की इस SIT में सभी महिला पुलिस अधिकारी हैं। SIT ने पुलिस रिमांड के दूसरे दिन आरोपी छात्रा और उसके दो दोस्तों रंकज वर्मा और सन्नी मेहता से सवाल-जवाब किए। तीनों से पहले अकेले में और फिर उन्हें आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की गई। इन तीनों से 7 घंटे चली पूछताछ में 150 सवाल पूछे गए। 7 घंटे में से लगभग 3 घंटे तक बंद कमरे में अकेले लड़की से पूछताछ चली।

राजू श्रीवास्तव का दिल्ली एम्स में निधन

हार्ट अटैक के बाद 42 दिन से चल रहा था इलाज, कल दिल्ली में सुबह 9:30 बजे अंतिम संस्कार

नई दिल्ली। गजोधर भैया अपनी जिंदगी के मंच से उतर गए। सामने लोग बैठे रहे और काला पर्दा झूल गया। राजू श्रीवास्तव की बीमारी और अस्पताल में भर्ती होने की खबरें बनते-बनाते आखिरी खबर आ गई। बुधवार सुबह 10 बजे के करीब दिल्ली एम्स में उनका निधन हो गया। उमर 58 साल थी। दिल्ली में ही 10 अगस्त को एक्सरसाइज करते उन्हें हार्ट अटैक आया था। उसके बाद से ही एम्स में भर्ती थे। इलाज में पता चला था कि दिल के एक हिस्से में 100 प्रतिशत ब्लॉकेज है। पिछले 42 दिनों में कई बार बेहतर होती सेहत की खबरें आती रहीं। लेकिन आखिरकार आखिरी खबर आईज राजू चला गया, ये कहते हुए कि जिंदगी में ऐसा काम करो कि यमराज भी आएं तो कहें कि भैंसे पर आप बैठिए, मैं पैदल चलूंगा.. आप नेक आदमी हैं। ज्ये राजू की ही कही है। राजू कानपुर के रहने वाले हैं। लेकिन, उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में ही 22 सितंबर, यानी गुरुवार को सुबह 9:30 बजे निगमबोध घाट पर किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई बड़ी हस्तियों ने राजू के निधन पर शोक जताया है। मोदी बोले- राजू ने हास्य के साथ हमारी जिंदगी को रोशन किया।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में लगा सावरकर का पोस्टर

कांग्रेसियों को पता चला तो गांधी जी की फोटो से ढंक दिया

कोच्चि। कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली जा रही राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा गुरुवार को केरल के कोच्चि पहुंचेगी। यात्रा के स्वागत के लिए यहां स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के पोस्टर लगाए गए थे। इनमें स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर का पोस्टर भी लगाया गया था। कांग्रेसियों को जैसे ही इसकी जानकारी लगी, उन्होंने आनन-फानन में उसके ऊपर गांधी जी की फोटो लगा दी। सात सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई यात्रा गुरुवार को कोच्चि पहुंचेगी। यहां राहुल गांधी प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे। यात्रा के स्वागत के लिए यहां लंबे-लंबे बैनर लगाए गए हैं, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की फोटो है। एक बैनर में गोविंद बल्लभ पंत और चंद्रशेखर आजाद की फोटो के बीच में विनायक दामोदर सावरकर की भी फोटो लगी थी। जैसे ही इसकी जानकारी कांग्रेसियों को लगी, तुरंत गांधी जी का एक पोस्टर मंगाया और सावरकर की फोटो के ऊपर लगा दिया। सोशल मीडिया पर इसके फोटो और वीडियो वायरल हो रहे हैं। कांग्रेस की ओर से इस पर कोई कमेंट नहीं आया है। तीन साल पहले दिल्ली के रामलीला मैदान पर कांग्रेस ने मोदी सरकार के खिलाफ 'भारत बचाओ' रैली की थी। इस रैली में राहुल गांधी काफी तल्ख नजर आए थे। उन्होंने कहा था कि ये देश पीछे नहीं हटता। मुझे कहते हैं कि सही बात बोलने के लिए माफी मांगूं।

पीएम केयर्स फंड के ट्रस्टी बने रतन टाटा

शाह व निर्मला सीतारमण भी सदस्य, कोरोना महामारी के दौरान बना था

नई दिल्ली। पीएम केयर्स फंड ट्रस्ट के नए ट्रस्टियों के नाम की घोषणा बुधवार को हुई। इसमें रतन टाटा, पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस केटी थॉमस, पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष करिया मुंडा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गृहमंत्री अमित शाह को ट्रस्टी बनाया गया है। यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली बैठक के एक दिन बाद हुई, जिसमें अमित शाह और निर्मला सीतारमण के साथ नए सदस्य भी शामिल हुए थे।

सलाहकार बोर्ड में भी मशहूर हस्तियां

ट्रस्टियों के बाद पीएम केयर्स फंड में सलाहकार बोर्ड भी बनाया गया, जिसमें कई मशहूर शख्सियतों को शामिल किया गया। इनमें भारत के पूर्व सीएजी राजीव महर्षि, इन्फोसिस फाउंडेशन की पूर्व अध्यक्ष सुधा मूर्ति, टीच फॉर इंडिया के सह-संस्थापक और इंडिकॉर्प्स और पीरामल फाउंडेशन के पूर्व सीईओ आनंद शाह शामिल हैं। केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक 2020-21 के बीच PM CARES फंड के तहत कुल 7,031.99 करोड़ रुपए इकट्ठा हुए थे। वर्तमान में इस फंड का टोटल बैलेंस 10990.17 करोड़ रुपए है।

2020 में शुरुआत हुई

पीएम मोदी की अध्यक्षता में पीएम केयर्स फंड की शुरुआत 28 मार्च 2020 को की गई थी। इस फंड के जरिए सरकार का मकसद कोविड-19 जैसी आपातकालीन और संकट की स्थिति में राहत मुहैया कराना है। यह फंड पूरी तरह से लोगों या संगठनों की तरफ से मिलने वाले ऐच्छिक सहयोग से काम करता है। प्रधानमंत्री इसके पदेन अध्यक्ष हैं और इसमें दिए जाने वाली हर रकम आयकर से पूरी तरह मुक्त है। ट्रस्टियों ने फंड में मिले योगदान को एक्सेप्ट किया, जिसमें 4,345 बच्चों को सपोर्ट देने वाली पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना भी शामिल है।

50 सेकेंड में बैंक से 5 लाख लूटे, लॉकर में रखे 12 लाख बचे, फायर कर फरार हुए 3 बदमाश

टोंक। बाइक पर आए 3 नकाबपोश लुटेरों ने बैंक में घुसते ही हवाई फायर किया। इसके बाद एक नकाबपोश गेट पर खड़ा रहा और दूसरे कैश काउंटर और ग्राहकों से 5 लाख रुपए लूटकर फरार हो गए। लूटेरों ने पूरे वारदात को मात्र 50 सेकेंड में अंजाम दिया। मामला टोंक जिले के दूनी थाना क्षेत्र के आवां कस्बे का है। पंजाब नेशनल बैंक की आवां ब्रांच के मैनेजर लाखन सिंह मीना ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब 3 बजे 3 नकाबपोश युवक आए और हवाई फायर अंदर घुसे। एक लुटेरा गेट पर रह गया। दूसरा सीधा कैश काउंटर पर गया और कैशियर के सिर पर बंदूक तान कर सवा चार लाख रुपए थैले में ले लिए। फिर दो ग्राहकों से 40 और 20 हजार रुपए लूट लिए। इस दौरान तीसरा नकाबपोश ग्राहकों पर कट्टा ताने रहा। एक ग्राहक ने लुटेरे को पकड़ने का प्रयास भी किया तो नकाबपोश ने कट्टा तानकर उसको नीचे गिरा दिया।

इसके बाद एक देशी कट्टा बैंक में ही छोड़कर अन्य साथियों के साथ अपाची बाइक पर बैठकर भाग छूटे। बैंक मैनेजर ने बताया की लॉकर में करीब 12 लाख रुपये थे वे बच गए। इस दौरान बैंककर्मी डरकर नीचे छुप गए। लूट की यह वारदात बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आवां सरपंच दिव्यांश महेंद्र भारद्वाज घटनास्थल पर पहुंचे।

ग्राहक ने लुटेरे का हाथ पकड़ा

प्रत्यक्षदर्शी पंकज कुमार चंदेल और बैनपा निवासी ऋषिकेश गुर्जर ने बताया कि काले कपड़े पहने 3 नकाबपोश लुटेरे देसी कट्टा लेकर बैंक में दाखिल होते ही हवा में फायर करके बैंक में उपस्थित ग्राहकों को धमका कर बैंक मैनेजर की केबिन में दाखिल हो गए। बेनपा के ग्राहक रामेश्वर गुर्जर ने बताया कि वह 40 हजार रुपए जमा कराने आया था। इस दौरान नकाबपोश आए और उसे हाथ में रखे 40 हजार रुपए लूट लिए। इस पर रामेश्वर गुर्जर ने लुटेरे का हाथ पकड़ कर रुपए वापस लेने का प्रयास किया तो उसने कट्?टा तानकर नीचे गिरा दिया। इसके बाद लुटेरा झटका मारकर भाग छूटा।

हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में भीषण आग, अमेरिका-यूरोप भेजे जाने थे आइटम

रातभर में पूरा कैंपस जलकर राख; दो करोड़ से ज्यादा का नुकसान

चूरू। हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में बीती रात लगी भीषण आग में पूरा कैंपस जलकर राख हो गया। यहां रखे आइट्म्स को अमेरिका के साथ यूरोपियन देशों में भेजा जाना था। देर रात धधकी आग पर आठ घंटे बाद काबू पाया जा सका। आग से फैक्ट्री में करीब दो करोड़ रुपए का नुकसान हो गया। देर रात करीब डेढ़ बजे लगी आग से पूरे एरिया में दहशत फैल गई। घटना चूरू के इंडस्ट्रियल एरिया की है। पुलिस ने बताया कि रात करीब डेढ़ बजे गोल्डन एक्सपोर्ट हैंडीक्राफ्ट कंपनी में आग लगने की सूचना मिली थी। फायर ब्रिगेड की 7 गाड़ियों ने रातभर करीब 25 राउंड लगाए और आग पर काबू पाया। हालांकि, आग बुझने तक फैक्ट्री में ऑर्डर के लिए बनकर तैयार माल और मशीनें पूरी तरह जलकर खाक हो गई थीं। हेड कॉन्स्टेबल सुरेंद्र सिंह ने बताया कि फैक्ट्री के मालिक बजरंग लाल जांगिड़ ने जानकारी दी है कि सोमवार रात को वह फैक्ट्री से अपने घर चले गए थे और फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर भी खाना खाकर सो गए थे। पड़ोस की फैक्ट्री के मजदूर टीन शेड पर सो रहे थे। रात करीब 2 बजे मजदूर मूलाराम ने धुआं उठता देखा तो फोन कर आग की सूचना दी। इस पर वह मौके पर पहुंचे। सूचना पर नगर परिषद की 2 दमकलें मौके पर पहुंची और आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग ने भीषण रूप ले लिया। आग के आसपास की फैक्ट्रियों तक फैलने की संभावना हो गई।

सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और सूचना देकर रतननगर, रतनगढ़, तारानगर और बिसाऊ से 5 फायर ब्रिगेड बुलाई। रातभर करीब 7 दमकलों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। मालिक जांगिड़ ने बताया कि आग लगने के कारण फैक्ट्री में लगी वुड वर्किंग की मशीनें और एक्सपोर्ट करने के लिए बनकर तैयार माल जलकर राख हो गया, जिससे करीब 2 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया है। उन्होंने बताया कि फैक्ट्री परिसर में बाहर खुले में रखे सामान पर दमकलों से छिड़का पानी लगा तो वह भी खराब हो गया। फैक्ट्री में लगी आग इतनी भीषण थी कि सुबह 10 बजे इस पर काबू पाया जा सका। उन्होंने बताया कि वह फैक्ट्री में सामान तैयार कर यूरोपीय और अमेरिकी देशों में भेजते हैं।

संपादकीय

दुर्भाग्यपूर्ण घटना

चंडीगढ़ के निकट स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के परिसर में गर्ल्स हॉस्टल में छात्राओं की निजता से जुड़े वीडियो शूट करके प्रसारित करना एक गंभीर मामला है। छात्राओं के आक्रोश के बाद मामले में लीपापोती करने की कोशिश में लगे विश्वविद्यालय प्रशासन ने जांच पुलिस को सौंप दी है लेकिन इस मामले की तह तक पहुंचने की जरूरत है। उम्मीद है कि उच्च महिला पुलिस अधिकारियों की देखरेख में बनी एसआईटी गहन जांच से हकीकत सामने लाने में सक्षम हो सकेगी। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम इस मामले की तह तक जाने की अविलंब आवश्यकता बताता है। आखिर क्यों गर्ल्स हॉस्टल में ऐसी पुख्ता सुरक्षा नहीं की गई कि कोई आसानी से छात्राओं के निजी पलों का वीडियो बनकर प्रसारित न कर सके। दरअसल, मोबाइल व इलेक्ट्रानिक उपकरणों के बढ़ते प्रचलन के बावजूद गोपनीयता से जुड़े कानूनों के बारे में पर्याप्त जागरूकता पैदा नहीं की जा सकी है। लोग इन सुविधा के उपकरणों के दुरुपयोग रोकने के उपायों के लिये मदद लेने के प्रति भी उदासीन ही रहते हैं। वहीं सवाल यह भी है कि इंटरनेट के बढ़ते संजाल के चलते होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाने में पुलिस की भूमिका और अपराधों पर नियंत्रण की तुरंत कार्रवाई तथा कठोर दंड को लेकर लोगों में भरोसा कायम क्यों नहीं हो पाया है। निश्चित रूप से पीड़ित पक्ष भय व शर्म के चलते घबरा जाता है और पुलिस की मदद लेने में कतराता है। दरअसल, इस तरह के अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये संवेदनशील, प्रशिक्षित और आधुनिक साधनों से सुसज्जित अलग सुरक्षाबल की जरूरत महसूस की जाती रही है। तेजी से बढ़ते ऐसे अपराधों पर नियंत्रण के लिये तत्काल कदम उठाये जाने की जरूरत है। यह प्रकरण तमाम शिक्षण संस्थानों के लिये चेतावनी है कि भविष्य में किसी भी ऐसी घटना पर अंकुश लगाने कि लिये विशेषज्ञों की सहायता से कड़े प्रोटोकॉल लागू किये जायें। केवल कागजी खानापूर्ति से काम चलने वाला नहीं है। शिक्षण संस्थाओं के अधिकारियों को ऐसे मामलों से निबटने में सक्षम बनाना होगा।

दरअसल, शिक्षण संस्थानों के प्रबंधकों को सुनिश्चित करना होगा कि आधुनिक तकनीकों व उपकरणों के माध्यम में छात्राओं के व्यावहारिक जीवन को बदरंग न बनाया जा सके। गोपनीयता का हनन, साइबर अपराधों व तकनीकी दुरुपयोग के मामलों को सख्त कानून बनाकर नियंत्रित करने की अविलंब कोशिश की जानी होगी। साथ ही युवाओं में जागरूकता लाने के लिये व्यापक स्तर पर बचाव के उपायों का प्रचार-प्रसार करना होगा। सवाल शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन को लेकर भी है कि मोटी फीस लेने के बावजूद हॉस्टलों में छात्राओं की निजता व गरिमा की सुरक्षा क्यों सुनिश्चित नहीं की जाती। उनके लिये यह घटना चेतावनी है कि वे छात्राओं की तमाम आशंकाओं को दूर करना सुनिश्चित करें। निस्संदेह, असुरक्षित परिसर छात्राओं के सम्मान व जीवन से खिलवाड़ का मौका देते हैं। इस घटना में महज शिक्षण संस्थान की छात्रा की भूमिका ही नहीं थी, बाहर के लोग भी इस षड्यंत्र से जुड़े थे। दो बाहरी लोगों की गिरफ्तारी से बहुत संभव है कि किसी बड़ी साजिश की पोल इस घटना के बाद खुले। सवाल उस साजिश में शामिल छात्रा के विवेक पर भी है कि वह किस लालच में अपने सहपाठियों के साथ इस घृणित कृत्य को अंजाम देने को तैयार हुई। उम्मीद है कि मामले की पुलिस, एसआईटी व फोरेंसिक जांच सच को सामने लाने में कामयाब होगी। पर्दे के पीछे छिपे लोगों को बेनकाब करना भी जरूरी है। साथ ही दोषियों को सख्त सजा सुनिश्चित होनी चाहिए ताकि असुरक्षित स्थलों का दुरुपयोग रोका जा सके। छात्राओं को ऐसी घटनाओं के प्रति जागरूक करने की भी जरूरत है। सवाल उन युवाओं का भी है जो इंटरनेट पर परोसी जा रही अश्लीलता के भयावह दलदल में धंसते जा रहे हैं। नई पीढ़ी को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाने की दिशा में देशव्यापी मुहिम चलाने की जरूरत है। ताकि आधुनिक तकनीक के खतरों व संयमित व्यवहार में सामंजस्य स्थापित किया जा सके। वहीं छात्राओं को ऐसी घटनाओं से बचाव के लिये सामाजिक प्रशिक्षण दिये जाने की जरूरत भी है।

कड़ी कार्रवाई की जरूरत

ब्रिटेन में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार की तैयारियों के बीच पाकिस्तानी असामाजिक तत्वों ने हिंदू मंदिरों में तोड़-फोड़ की और भगवा ध्वज के साथ बेअदबी की। इस जघन्य अपराध की चाहे जितनी भी निंदा की जाए, कम है। यह घटना, पूर्वी इंग्लैंड़ के लेस्टर शहर की है। लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने भारतीय समुदाय के विरुद्ध हिंसा और हिंदू परिसरों में तोड़-फोड़ की कड़ी निंदा की और दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ब्रिटेन में भारतीय उपमहाद्वीप के देश भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के लोगों की संख्या काफी है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के मुद्दे ने ब्रिटेन में रहने वाले पाकिस्तानी लोगों में भारत विरोधी भावना को काफी मजबूत किया है। अमेरिका और पश्चिमी देशों का सत्ता प्रतिष्ठान, सिविल सोसाइटी और मीड़िया का रुख भारत की राष्ट्रवादी सरकार के प्रति अनुकूल नहीं रहा है। अगस्त 2019 में जब भारतीय संसद ने संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किया था उसके बाद ब्रिटेन के विदेश मंत्री ड़ोमिनिक रॉब ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए संसद में कहा था कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद से कश्मीर में मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों की जांच होनी चाहिए। अमेरिका और पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठान भी भारत के विरुद्ध भी इसी तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं। जबकि यह भारत का आंतरिक मामला है और किसी भी देश को इसमें हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं। इससे पहले भी कश्मीर के मुद्दे को लेकर ब्रिटेन में सक्रिय अलगाववादी और खालिस्तानी तत्वों ने भारतीय उच्चायोग पर विरोध प्रदर्शन किया था। लेस्टर की घटना के पीछे उन्हीं पाकिस्तान प्रायोजित प्रदर्शनकारियों का हाथ हो सकता है, जिन्होंने 15 अगस्त 2019 को लंदन में भारतीय उच्चायोग में स्वतंत्रता दिवस समारोह को मनाने के लिए एकत्र हुए भारतीय और भारतीय मूल के लोगों पर हमला किया था। प्रदर्शनकारियों ने अंड़े और पानी की बोतलों से प्रहार किया था। लेस्टर शहर की घटना के मूल में पिछले माह एशिया कप के दौरान भारत के हाथों पाकिस्तान की टीम की हार के बाद पैदा हुआ तनाव है। इसलिए इस पूरी घटना को सांप्रदायिक कोण से देखना उचित नहीं होगा। वास्तव में यह ब्रिटेन में सक्रिय कश्मीरी अलगाववादी, खालिस्तानी और भारत विरोधी पाकिस्तान समर्थकों की करतूत है, जो इस तरह की घटनाओं को अंजाम देते रहते हैं। ब्रिटेन की सरकार से इन तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की अपेक्षा है।

चिंतन-मनन

विचार-निर्विचार, चिंतन-अचिंतन

पूरा विश्व, विचारों पर चलता है, सारे आविष्कार, युध्द, आतंकवाद, साहित्य सृजन, भाषण, प्रवचन, तू-तू, मैं-मैं सब विचारों की देन है। विचार ही सब कार्यों को अंजाम देता है। भक्ति, प्रार्थना, व्यवहार, सेवा सब विचारों की देन है। हम सोचते हैं तो करते हैं होता है। अब प्रश्न यह है कि विचार कैसे हो, दो श्रेणियों में बांटा गया है उन्हें, सकारात्मक, नकारात्मक, सकारात्मकता निर्माण करती है, नकारात्मकता विध्वंस, मनुष्य ने सभ्यता को ऊंचाई तक पहुंचाया है एक तरफ तो दूसरी तरफ नृशंसता के गर्त में भी। जैसे विचार वैसा वातावरण और वृत्त। विचार करना सुविचार करना कोई किसी को जबरदस्ती नहीं सीखा सकता क्योंकि संस्कार, लालन-पालन, शिक्षा, मनन-चिंतन, संगति, वातावरण से विचारों में परिवर्तन होता है। पता नहीं यह दुनिया कब से बनी है, मनुष्य ने सोचना कब से शुरू किया, उसमें कैसे-कैसे परिवर्तन होते गया यह एक बड़ा गूढ़ विषय है। इस पर शास्त्र रचे जा सकते हैं। विचारों ने ही तो इतना ज्ञान इस विश्व को दिया है विज्ञान, साहित्य, शिक्षा, राजनीति, धर्म, कानून, जैसे-जैसे आवश्यकताएं होती गई या बढ़ती गई सब आविष्कार या रचना होती गई। आतंकवाद, विस्तारवाद, युध्द भी विचारों का खेल है। नेतृत्व के गलत विचारों का खामियाजा पूरे देश को देना होता है, कौम हो देना होता है। धार्मिक उन्माद भी कुछ गलत विचारों की देन है। बुध्दिहीन या कम बुध्दि वाले लोगों को बुध्दिमान चालाक लोग भेड़ों की तरह हांक कर अपने ढंग से उपयोग या दुरुपयोग करते हैं।

इन्सान का अपना वजूद जब कमजोर होता है तो वह हिप्मोटाइज हो जाता है दूसरों से और पीछे-पीछे चलने लगता है, उसे पता नहीं होता कि वह कुएं में जाएगा या खाई में। हर कर्म के पीछे विचार होता है। सत्कर्म और बुरे कर्म। बिना विचारे कोई कुछ नहीं करता, यह अलग बात है कि कितनी गहराई और गंभीरता से विचार किया जाता है। आदमी हमेशा विचारों के हिंडोले में हिचकोले खाता रहता है, कभी आनंददायक कभी दुख देने वाले विचारों से स्वास्थ्य, विचार से रोग, वीरोचित कार्य कायराना कार्य। इसलिए विचारों को सुधार लीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। मेडिकल इंसान और रिसर्च में भी यही पाया गया है कि रोग विचारों की देन है नकारात्मक विचारों की। सकारात्मक विचारों से, आशा, विश्वास से लोग निरोग होते देखे गए हैं। गीता में कहा गया है चित्त वृध्दि निरोध की स्थिति में आना याने सब दृष्टि से संतुलन, शांति, आनंद, निर्भयता में जीना। अति प्रसन्न और अति दुखी होना भी गलत है। हमेशा समस्थिति में रहना। भगवान विष्णु की तरह जो शेष नाग की शैया पर (विषमता) में भी शांत और प्रसन्न रहते हैं हमें हमारे पौराणिक दृष्टांतों से बहुत कुछ हासिल हो सकता है पर हम पढ़े सोचे और चलें तब। सोचिए आपको कैसे जीना है।

सामाजिक और मानविकी के अध्ययन में देशज ज्ञान की जरूरत

गिरीश्वर मिश्र

मनोविज्ञान के आधुनिक अनुशासन को एकरूपी ढंग से देखने की आदत बन चुकी है जब कि शुरू से ही इसके निर्माण में अच्छी खासी बहुलता है और कई तरह के मनोवैज्ञानिक ज्ञान का सृजन होता आ रहा है। दूसरे विषयों से इसकी अलग पहचान स्थापित करने की और अपने दार्शनिक मूल से संबंध तोड़ने की बलवती इच्छा ने इस विषय को एक आकार दिया जिसमें वैज्ञानिकता का घोर आग्रह शामिल हो गया जिसे व्यवहारवादी विचारधारा ने धार दी और जिसे आत्मसात कर लिया गया । मनोविज्ञान के इतिहास के विश्लेषण में इसके द्वन्द्व को लेकर काफ़ी चर्चा अब चल रही है और एक सुगठित मनोविज्ञान और इसकी वैज्ञानिकता प्रश्नांकित हो रही है ।

भारत की सभ्यतामूलक जीवन-दृष्टि कई तरह से सर्व-समावेशी थी परंतु दो सदियों के औपनिवेशिक शासन के दौर में इसे व्यवस्थित रूप से हाशिए पर भेजने की मुहिम छेड़ी गयी और उसकी जगह लोक-मानस और ज्ञान-विज्ञान का यूरोप से लाया गया नया ढांचा और विषयवस्तु दोनों को भारत में रोपा गया। शिक्षा की इस नयी व्यवस्था में भारत के शास्त्रीय ज्ञान और लोक-परम्परा का खास महत्व न था। उसे किनारे रख कर उसके प्रति तटस्थ हो कर प्राकृतिक विज्ञान और मानविकी के विषयों का अध्यापन और शिक्षण शुरू किया गया।

मनोविज्ञान जैसे आधुनिक समाज विज्ञानों का जन्म जिस परिस्थिति में हुआ उसमें ज्ञान की प्राकृतिक विज्ञानों की विधेयवादी (पोजिटिविस्ट) परम्परा बड़ी प्रबल थी और भौतिक विज्ञान की प्रगति आश्चर्यकारी थी। उसके तीव्र प्रभाव में सोचने और अध्ययन करने के एक वस्तुवादी (ओबजेक्टिव) नजरिए को अपनाना श्रेयस्कर माना गया। यद्यपि मनोविज्ञान में सदैव अनेक धाराएं प्रवाहित होती रही हैं जिनका रिश्ता दार्शनिक चिंतन की विविधता से है फिर भी मुख्य धारा के रूप जिसका प्रचलन हुआ और जो मनोविज्ञान की शिक्षा-दीक्षा का मानक बना उसमें अध्ययन की बाह्य विश्व की ओर उन्मुख दृष्टि ने निर्णायक रूप से मनोविज्ञान के स्वभाव को बहुत हद तक बदल दिया । उसने वैज्ञानिकता की शर्तों-वस्तुनिष्ठता और मात्रात्मकता को अपना कर आंतरिक अनुभव की जगह बाहर की दुनिया में मनोवैज्ञानिक वस्तुओं और पदार्थों को पहचानने और पैदा करने के भारी उद्योगों को स्थापित कर दिया। उसके सिद्धांत, नियम और तकनीकें सहमति के आधार पर घोषित किए जा सकने वाले प्रामाणिक ज्ञान को एकत्र करने की व्यवस्था उपलब्ध कराने के काम में युद्धस्तर पर जुट गईं।

आधुनिक अध्ययन विषयों की व्यवस्था का तकाजा है कि हर अध्ययन-विषय का अपना खास किस्म का अनुशासन बनाया जाए ताकि विषय की परिधि सुनिश्चित हो। यह जो देश-काल की सीमाओं के बीच निर्मित होता है और उसकी गतिविधियों को नियमित करता है। अध्ययन वस्तुओं की प्रकृति और उसे अध्ययन करने के तौर-तरीके भी उसी के बीच और उसी के साथ विकसित होते हैं। लम्बे समय तक दर्शन के अंतर्गत मनोजगत की विभिन्न गतिविधियों पर विचार और अध्ययन के बाद जब आधुनिक मनोविज्ञान विषय का प्रतिपादन हुआ तो उसके साथ कुछ आग्रह भी बनते गए । इस तरह इसमें अतीत और वर्तमान दोनों की चेतना संयुक्त रूप से वर्तमान का सृजन करती है। यह विषय की अस्मिता को भी गढ़ता है और उसे अन्य विषयों से पृथक करता है। व्यावसायिकता के आधुनिक दौर में ऐसा करना ब्रेंड बनाने और नौकरी आदि के लिए जरूरी है। इस दृष्टि से देखें तो औपनिवेशिकता और तार्किक विधेयवाद ने मनोविज्ञान को, उसके व्यवसाय और सृजन किए जा रहे ज्ञान दोनों ही पक्षों को निर्धारित किया। इसी के तहत मनोविज्ञान की मुख्य धारा भी विकसित हुई । चूंकि इस अति प्राचीन रुचि वाले नए विषय को यूरो-अमेरिकी परम्परा से ले कर यहां रोपा गया था इसका अध्ययन अध्यापन लंबे समय तक प्राय: अनुकरणमूलक ही बना रहा। इसके चलते भारतीय सोच-विचार, संस्कृति और समस्याओं की ओर से उदासीनता बढ़ती गई।बहुत दिनों तक यह विषय सार्वभौमिक विज्ञान के रूप में ग्रहण किया जाता रहा और उसी का अनुगमन करते हुए अध्ययन अनुसंधान किया जाता रहा ।इसके फलस्वरूप अधिकांशत- ज्ञान का इकतरफ़ा प्रवाह चलता रहा । इस दौर में यहां पर अर्जित ज्ञान मनोविज्ञान विषय की तथाकथित (कल्पित) मुख्य धारा में शामिल नहीं हुआ। साथ ही भारत में इसके उपयोग की संभावना भी सीमित रही। इसका कारण संभवत- विदेशी/ पाश्चात्य ज्ञान की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप न होना था।

भारत में सामाजिक विज्ञान की विदेशप्रियता को लेकर चिंता सत्तर के दशक में शुरू हुई । इसके घातक प्रभाव से मुंह मोड़ कर कुछ न करना मानवीय मेधा की हेठी होगी । बौद्धिक उपनिवेशवाद से मुक्ति कैसे मिले? इस दौर में आधुनिकता का आशय पश्चिमी ज्ञानोदय से जुड़ गया, जो 14 वीं सदी के यूरोप में हुआ उससे लिया गया । ध्यान देने की बात है कि चीन और भारत 1760 तक विश्व जीडीपी में 75 प्रतिशत योगदान करते थे । आज जो प्रथम विश्व कहलाता है वह तब तृतीय विश्व था । इस क्षेत्र की आंतरिक शक्ति के अनेक प्रमाण हैं जो यह बताते हैं कि सांस्कृतिक मूल्य अभी भी पूरी तरह से निर्मूल नहीं हुए हैं। मनोविज्ञान के आधुनिक अनुशासन को एकरूपी ढंग से देखने की आदत बन चुकी है जब कि शुरू से ही इसके निर्माण में अच्छी खासी बहुलता है और कई तरह के मनोवैज्ञानिक ज्ञान का सृजन होता आ रहा है। दूसरे विषयों से इसकी अलग पहचान स्थापित करने की और अपने दार्शनिक मूल से संबंध तोड़ने की बलवती इच्छा ने इस विषय को एक आकार दिया जिसमें वैज्ञानिकता का घोर आग्रह शामिल हो गया जिसे व्यवहारवादी विचारधारा ने धार दी और जिसे आत्मसात कर लिया गया । मनोविज्ञान के इतिहास के विश्लेषण में इसके द्वन्द्व को लेकर काफ़ी चर्चा अब चल रही है और एक सुगठित मनोविज्ञान और इसकी वैज्ञानिकता प्रश्नांकित हो रही है । इस विषय की निर्मिति में यूरो-अमेरिकी अकादमिक परिवेश मुख्य रहा और शेष दुनिया परिधि पर आ गयी । इस तरह 'अन्य' हाशिए पर पहुंच गया। इस परिस्थिति में इसके स्वदेशीकरण की प्रक्रिया आरंभ हुई है जिसमें बाह्य देशों के ज्ञान का अपने देश में अनुकूलन और अपने देश के मौलिक ज्ञान का अध्ययन और सृजन दोनों प्रक्रिया हो रही हैं। एशिया, अफ्रीका, लातीनी अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, अरब देश आदि के मनोविद इस तरह के प्रयास में लगे हैं। इस प्रक्रिया में ज्ञान और अध्ययन विधि की बहुलता की खास भूमिका है। अभी तक अनुकरण और पुनरुत्पादन की प्रक्रिया ही चलती रही है जिससे आरोपित ज्ञान की वृद्धि होती रही और पश्चिम ही संदर्भ बिंदु बना रहा। आत्म-निर्भर होने और विश्व-मानवता की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक है कि देशज ज्ञान का आदर किया जाए।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

श्रद्धांजलि

एक हंसाने वाले इंसान का जाना!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

अस्पताल में जीवन से संघर्ष करते हुए मशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव आखिर मौत से हार गए। वे 10 अगस्त को कार्डियक अरेस्ट के बाद से एम्स में भर्ती थे। राजू श्रीवास्तव 58 साल के थे। उन्हें उस समय कार्डियक अरेस्ट हुआ था, जब वे दिल्ली के एक जिम में एक्सरसाइज कर रहे थे। राजू श्रीवास्तव को बचाने और होश में लाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उनके ब्रेन में ऑक्सीजन नहीं पहुंच रही थी। वह लगातार बेहोश थे। एकदम कोमा जैसी स्थिति थी। राजू श्रीवास्तव के हार्ट ने भी काम करना बंद कर दिया था। राजू श्रीवास्तव की बेहतरी के लिए इंडस्ट्री के तमाम लोग और करोड़ों फैंस लगातार दुआ कर रहे थे, लेकिन अफसोस कि सबको हंसाने वाले गजोधर भैया, अपने पीछे आंसुओं का सैलाब छोड़कर चले गए।

राजू श्रीवास्तव का जन्म उत्तर प्रदेश के कानपुर में 25 दिसंबर सन1963 को हुआ था। उनका वास्तविक नाम सत्य प्रकाश श्रीवास्तव था। राजू को बचपन से ही मिमिक्री और कॉमेडी का शौक था। राजू को कॉमेडी शो से पहचान मिली । कॉमेडी शो से मिली सफलता के बाद राजू ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और हास्य की दुनिया मे छाये रहे। राजू श्रीवास्तव ने सन1993 में शिखा श्रीवास्तव से शादी की थी।उनके दो बच्चे हैं।राजू श्रीवास्तव ने राजनीति में भी अपना हाथ अजमाया। उन्हें सन2014 में कानपुर से लोकसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी से टिकट मिला था। लेकिन उन्होंने बाद में चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था, इसके बाद वे चुनाव से पहले बीजेपी में शामिल हो गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें स्वच्छ भारत अभियान में नामांकित किया था। इसके बाद उन्होंने स्वच्छता को लेकर विभिन्य शहरों में चलाए गए अभियानों में भी हिस्सा लिया। राजू श्रीवास्तव को सन2019 में उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद का अध्यक्ष बनाया गया था। राजू श्रीवास्तव अपने स्वास्थ्य का काफी ध्यान रखते थे।राजू नियमित रूप से जिम जाते थे। वे सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहे और हमेशा लोगो को हंसाना ही उनका मकसद होता था। उनके इंस्टा अकाउंट पर कई फनी और मजेदार वीडियोज आपको देखने को मिल जाएंगे।केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सुप्रसिद्ध हास्य कलाकार, राजू श्रीवास्तव जी के निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है।उन्होंने कहा वे एक मंझे हुए कलाकार होने के साथ-साथ एक बेहद ज़िंदादिल इंसान भी थे। सामाजिक क्षेत्र में भी वे काफ़ी सक्रिय रहते थे।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजू श्रीवास्तव ने उत्तर प्रदेश फ़िल्म विकास परिषद के अध्यक्ष के रूप में अपनी सराहनीय सेवा दी। वे एक अच्छे कलाकार थे।जीवन भर अपनी पीड़ा को दबाते हुए बिना किसी भेदभाव के वे सब का मनोरंजन करते रहे। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव का एक विशिष्ट अंदाज था, उन्होंने अपनी अद्भुत प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया।उनका निधन कला जगत के लिए एक बड़ी क्षति है।प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास ने ट्वीट किया, 'राजू भाई ने आखिर ईश्वर के लोक की उदासी से लड़ने के लिए, सांसारिक यात्रा से विराम ले ही लिया। उनके संघर्ष के दिनों से लेकर यश के शिखर तक की यात्रा के सैकड़ों संस्मरण आंखों के आगे तैर रहे हैं।उदास लोगों को मुस्कराहट की ईश्वरीय सौग़ात देने वाले सिकंदर को अंतिम प्रणाम भाई।'

कानपुर में जन्मे कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव ने अपनी कॉमेडी के कारण पूरी दुनिया में शोहरत प्राप्त की हैं। फिल्मों में राजू ने सलमान खान की फिल्म 'मैंने प्यार किया' से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने 'बाजीगर', 'आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया', 'वाह तेरा क्या कहना', 'मैं प्रेम की दीवानी हूं', 'बॉम्बे टू गोवा' और 'टॉइलेट एक प्रेम कथा' जैसी फिल्मों में काम किया था।

राजू को असली पहचान कॉमेडी रिएलिटी शो 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' से मिली । इस शो में राजू ने एक काल्पनिक किरदार गजोधर बनकर खूब दर्शकों का मनोरंजन किया था। इसी टीवी सीरीज के अलावा राजू ने मशहूर टीवी सीरियलों 'देख भाई देख', 'शक्तिमान' और 'अदालत' में भी कुछ महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं।जिनके माध्यम से उन्हें सदा याद किया जाता रहेगा।

मुद्दा

सूखा और बाढ़ का गणित

रोहित कौशिक

इस बार 'भारतीय मौसम विज्ञान विभाग' ने देश में सामान्य बारिश का अनुमान लगाया था लेकिन देश के कई हिस्से सूखे से जूझ रहे हैं।

कई जगहों पर कम बारिश से धान की खेती प्रभावित हुई है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में सूखे की वजह से किसानों को समस्याओं का सामना कर पड़ रहा है। उत्तर प्रदेश में जून से 10 सितम्बर तक बारिश का आंकड़ा 50 फीसदी से भी नीचे गिर चुका है। उधर, देश के अनेक हिस्से बाढ़ से जूझ रहे हैं, जहां बाढ़जनित हादसों में कई लोगों की जान जा चुकी है।

दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हमारे देश में कई स्थान ऐसे हैं कि जहां एक ही इलाके को बारी-बारी से सूखे और बाढ़ का सामना करना पड़ता है।

विकास की विभिन्न परियोजनाओं के लिए जिस तरह से जंगलों को नष्ट किया गया और पेड़ों की कटाई की गई, उसने स्थिति को और भयावह बना दिया। इस भयावह स्थिति के कारण मानसून तो प्रभावित हुआ ही, भू-क्षरण एवं नदियों द्वारा कटाव किए जाने की प्रवृत्ति भी बढ़ी। बाढ़ और सूखा प्राकृतिक आपदाएं भर नहीं हैं, बल्कि एक तरह से प्रकृति की चेतावनियां भी हैं। सवाल है कि हम पढ़-लिख लेने के बावजूद प्रकृति की इन चेतावनियों को क्या समझ पाते हैं।

विडम्बना ही है कि पहले से अधिक पढ़े-लिखे समाज में प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीवन जीने की समझदारी अभी भी विकसित नहीं हो पाई है। बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाएं पहले भी आती थीं लेकिन उनका अपना अलग शास्त्र और तंत्र था। इस दौर में मौसम विभाग की भविष्यवाणियों के बावजूद हम बाढ़ का पूर्वानुमान नहीं लगा पाते हैं। दरअसल, प्रकृति के साथ जिस तरह का सौतेला व्यवहार हम कर रहे हैं, उसी तरह का सौतेला व्यवहार प्रकृति भी हमारे साथ कर रही है। पिछले कुछ समय से भारत को जिस तरह से सूखे और बाढ़ का सामना करना पड़ा है, वह आईपीसीसी की जलवायु परिवर्तन पर आधारित उस रिपोर्ट का ध्यान दिलाता है, जिसमें जलवायु परिवर्तन के कारण देश को बाढ़ और सूखे जैसी आपदाएं झेलने की चेतावनी दी गई थी।

आज ग्लोबल वार्मिंग जैसा शब्द इतना प्रचलित हो गया है कि इस मुद्दे पर हम बनी-बनाई लीक पर ही चलना चाहते हैं। यही कारण है कि कभी आईपीसीसी की रिपोर्ट को संदेह की नजर से देखने लगते हैं, तो कभी ग्लोबल वार्मिंग को अनावश्यक हौव्वा मानने लगते हैं। विडम्बना ही है कि इस मुद्दे पर बार-बार सच से मुंह मोड़ना चाहते हैं। दरअसल, प्रकृति से छेड़छाड़ का नतीजा जलवायु परिवर्तन के किस रूप में हमारे सामने होगा, यह नहीं कहा जा सकता। जलवायु परिवर्तन का एक ही जगह पर अलग-अलग असर हो सकता है। यही कारण है कि हम बार-बार बाढ़ और सूखे का ऐसा पूर्वानुमान नहीं लगा पाते जिससे लोगों के जान-माल की समय रहते पर्याप्त सुरक्षा हो सके।

शहरों और कस्बों में होने वाले जल भराव के लिए काफी हद तक हम भी जिम्मेदार हैं। पिछले कुछ वर्षो में कस्बों और शहरों में जो विकास और विस्तार हुआ है, उसमें पानी की समुचित निकासी की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। गंदे नालों की पर्याप्त सफाई न हाने से उनकी पानी बहाकर ले जाने की क्षमता लगातार कम हो रही है। यही कारण है कि देश के अधिकतर कस्बों और शहरों में थोड़ी बारिश होने पर ही सड़कों पानी भर जाता है।

गौरतलब है कि 1950 में हमारे यहां लगभग ढाई करोड़ हेक्टेयर भूमि ऐसी थी जहां पर बाढ़ आती थी लेकिन अब लगभग सात करोड़ हेक्टेयर भूमि ऐसी है, जिस पर बाढ़ आती है। इसकी निकासी का कोई समुचित तरीका नहीं है। हमारे देश में केवल चार महीनों के भीतर ही लगभग अस्सी फीसद पानी गिरता है। उसका वितरण इतना असमान है कि कुछ इलाके बाढ़ और बाकी इलाके सूखा झेलने को अभिशप्त हैं। इस तरह की भौगोलिक असमानताएं हमें बहुत कुछ सोचने को मजबूर करती हैं।

पानी का सवाल हमारे देश की जैविक आवश्यकता से भी जुड़ा है। दरअसल, पानी के समान वितरण की-व्यवस्था किए बगैर हम विकास के नये आयाम के बारे में नहीं सोच सकते। हमें सोचना होगा कि बाढ़ के पानी का सदुपयोग कैसे किया जाए। बाढ़ के संबंध में विशेषज्ञ चेतावनी देते रहते हैं कि भविष्य में बाढ़ की प्रवृत्ति और प्रकृति लगातार बदलती रहेगी। इसलिए हमें एक तरफ अपने आपदा प्रबन्ध तंत्र को जागरूक और सक्रिय बनाना होगा तो दूसरी तरफ अपने पारंपरिक जल स्रेतों पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा। गौरतलब है कि देश में बाढ़ से होने वाले नुकसान का लगभग साठ फीसद उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और आंध्र प्रदेश में आई बाढ़ के माध्यम से होता है।

बाढ़ पर राष्ट्रीय आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश में बाढ़ के कारण हर साल करोड़ों रु पये का नुकसान होता है, जो नुकसान लगातार बढ़ता जा रहा है। विश्व में बाढ़ से होने वाली मौतों में पांचवा हिस्सा भारत का है। बाढ़ हमारे देश में ही कहर नहीं ढा रही, बल्कि चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल जैसे देश भी इसी तरह की समस्या से जूझ रहे हैं।

सूखे के कारण दुनिया के बड़े देशों की अर्थव्यवस्थाओं को भी नुकसान झेलना पड़ रहा है। बिजली उत्पादन, कृषि, मैन्युफैक्चरिंग और पर्यटन उद्योगों पर बुरा असर पड़ रहा है। हालांकि हमारे देश में सूखे और बाढ़ से पीड़ित लोगों के लिए अनेक घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन मात्र घोषणाओं से पीड़ितों का दर्द कम नहीं होता। सरकार को सुनिश्चित करना होगा कि घोषणाओं का लाभ पीड़ितों तक भी पहुंचे।

बहतूकला थाना क्षेत्र में तीन माह पूर्व खुडियाना पेट्रोल पंप पर हुई लूट का आरोपी गिरफ्तार

मरूधर विशेष / दिनेश लेखी

कठूमर। बहतूकला थाना पुलिस ने तीन माह पूर्व खुडियाना पेट्रोल पंप पर हुई लूट के मामले में एक आरोपी को को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हनुमान सहाय ने बताया कि लगभग तीन माह पूर्व 18 जून को समय रात्रि 8:16 पर सेल्स मैन राजेश कुमार व राकेश पैटौल पम्प पर थे। तभी एक मोटरसाईकिल एचएफ डिलेक्स बिना नम्बर एवं काले रंग की आई जिस पर तीन लडके नकाब पहने हुए थे जिनकी उम्र करीब 21-23 बर्ष के बीच थी। जिनमें एक लडका पम्प पर रूक गया और दो लडके कार्ड से भुगतान करने के लिये अन्दर आफिस में आ गये जिनमें से एक ने यश बैंक का कार्ड दिया जिसे सेल्स मैन कार्ड को मशीन में लगाने लग गया इस दौरान दोनों लड़कों ने दूसरे सेल्स मैन की कनपटी पर देशी कटटा लगा दिया और डरा धमकाकर हथियार की नोक पर सैल्समैन से 50-60 हजार रूपये लूट लिये और भाग गये वे अपना यश बैंक का एटीएम कार्ड भी छोड़ गये। पैट्रोल पम्प खुडियाना पर तीन अज्ञात हथियार बन्द बदमाशों द्वारा की गई लूटपाट की घटना को गम्भीरता से लेते हुये माल मुलजिमान की तलाश हेतु उच्चाधिकारियों के निर्देशन में टीम का गठन किया गया टीम द्वारा आस पास के क्षेत्र मे सीसीटीवी फुटेज एंव साइक्लोन सैल की मदद से कांस्टेबल संजय की सूचना पर घटना का खुलाशा करते लूट के आरोपी अनिल यादव पुत्र रामजीलाल जाति यादव उम्र 19 साल निवासी अहीरवास थाना रैणी जिला अलवर गिरफ्तार किया गया है जिससे पूछताछ जारी है।

बानसूर में फूड लाइसेंस और पंजीयन शिविर आज

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर कस्बे के स्वास्थ्य विभाग की और से खाद्य लाइसेंस पंजीयन शिविर आज सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बानसूर के नारायणपुर रोड पर स्थित अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा। जिसमें खाद्य कारोबारी, किराना, खाद्य एजेंसी, पानमसाला विक्रेता, दूध विक्रेता, डेयरी, चाट, फल-सब्जी, अनाज के थोक व खुदरा विक्रेता, होटल रेस्टोरेंट, मिठाई निर्माता और विक्रेता, कैटरिंग व दवाई विक्रेता, तेल मिल सहित खाद्य पदार्थ निर्माता व परिवहनकर्ता शिविर में भाग ले सकते है। शिविर में ऑनलाइन लाइसेंस व पंजीयन किए जाएंगे। सालाना 12 लाख रूपये से कम टर्नओवर वाले कारोबारी एक फोटों और फोटो युक्त पहचान पत्र से अपना आवेदन कर सकते है। इसमें 100 रूपये वार्षिक शुल्क लगेगा। 12 लाख से अधिक टर्नओवर पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ 2 हजार रूपये वार्षिक शुल्क और निर्माण इकाई के लिए तीन से पांच हजार रूपयें वार्षिक शुल्क देय होगा।

बानसूर उपखण्ड अधिकारी राहुल सैनी ने किया औचक निरीक्षण

मरुधर हिन्द/ रमाकान्त शर्मा

बानसूर – जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी के निर्देशानुसार बानसूर उपखंड अधिकारी राहुल सैनी द्वारा लंपी स्किन डिजीज से संक्रमित पशुओं के लिए बनाए गए आइसोलेशन वार्ड का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आइसोलेशन वार्ड में गायों के लिए व्यवस्थाएं दुरुस्त पाई गई। उपखण्ड़ अधिकारी सैनी ने गायों के लिए छाया की व्यवस्था सहित सोडियम हाइपोक्लोराइट के छिड़काव व सफाई व्यवस्था के लिए स्थानीय नगर पालिका को निर्देशित किया। साथ ही उपखंड अधिकारी राहुल सैनी ने जीएसएस खेड़ा का भी औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खाद बीज की दुकानें बंद पाई गई। उपखण्ड अधिकारी द्वारा पूछने पर पता चला कि 3-4 साल से कोई खाद बीज जीएसएस में नहीं मंगवाया गया है और न ही डीएपी व यूरिया का कोई स्टॉक दुकानों पर मिला। अधिकारी द्वारा स्टॉक रजिस्टर मांगने पर बताया गया कि स्टॉक रजिस्टर ऑडिट के लिए जयपुर गया हुआ है। इस दौरान उपखंड अधिकारी द्वारा जीएसएस बानसूर का भी औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान डीएपी और यूरिया का यहां भी कोई स्टॉक उपलब्ध नहीं मिला। न ही किसी प्रकार का डीएपी व यूरिया आर्डर किया हुआ था, गोदाम में यूरिया भी उपलब्ध नहीं था। उपखंड अधिकारी सैनी ने डिमांड के अनुसार खाद बीज की व्यवस्था कर लोगों को बंटवाए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान उपखंड अधिकारी ने दो निजी खाद बीज की दुकानों का निरीक्षण किया जहां उनके गोदामों में यूरिया व डीएपी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध मिला। परंतु स्टॉक रजिस्टर में कोई रिकार्ड दर्ज नहीं था। उपखंड अधिकारी ने सरकार द्वारा निर्धारित दर पर ही यूरिया व डीएपी किसानों को उपलब्ध कराने के लिए दुकानदारों को निर्देश दिए। जिससे किसी भी प्रकार की कालाबाजारी नहीं की जा सके।

लंपी से गौवंश को बचाने में सामाजिक संगठनों ने कसी कमर

मरुधर हिन्द/ रमाकान्त शर्मा

बानसूर – गौवंश को लंपी बिमारी से बचाने के लिए सामाजिक संगठन और युवाओं की टीम लगातार जुटी हुई है। बानसूर में गौवंश को बचाने के लिए जन सहयोग मिल रहा है। गौवंश की रक्षा के लिए भामाशाहों की तरफ से आर्थिक सहायता लगातार दी जा रही है। गांव गुंता शाहपुर में बाबा खेतानाथ गौशाला में बुधवार को नवयुवक मंडल के युवाओं की ओर से एक दिवसीय गौवंश सेवा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें युवाओं की टीम ने आयुर्वेदिक दवाइयों से लड्डू तैयार कर गायों को खिलाए। लंपी वायरस की चपेट में आई हुई गायों का ईलाज किया गया। इस दौरान युवाओं ने संपूर्ण गौशाला में हाइड्रोक्लोराइड स्प्रे भी करवाया। गौशाला में करीब 500 गायों को आयुर्वेदिक दवाइयों से तैयार कर आयुर्वेदिक लड्डू खिलाए गए। वहीं गौवंश के इलाज के लिए गौशालाओं को दवाइयां भी भेंट की । प्रत्येक गांव में युवाओं की टीम लगातार गौवंश को बचाने के लिए दिन रात लगी हुई है। टीम के सदस्य गावों की गली -गली में घूमकर गायों का ईलाज करने में लगे हुए हैं। गौवंश को पिकअप गाड़ीयों से उठाकर आइसोलेशन वार्ड में लाकर उनका ईलाज भी कर रहे हैं। इस दौरान मांची पशु चिकित्सा प्रभारी हेमराज यादव, पशु चिकित्सक प्रमोद शाहपुर ,कुलदीप यादव, गौशाला अध्यक्ष अमर सिंह सरपंच सहित नवयुवक मंडल के सभी सदस्य मौजूद रहे।

सभी कक्षाओं के परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विशेष छात्रवृत्ति देने की प्रक्रिया शुरू की जायेगी-मंत्री जूली

मरुधर विशेष युवराज शर्मा

अलवर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं कारागार विभाग मंत्री टीकाराम जूली ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार आर्थिक रूप से पिछड़े प्रतिभावान विद्यार्थियों की सहायता के लिए विशेष छात्रवृत्ति देने के लिए प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी परीक्षाओं के परिणाम घोषित होने के बाद छात्रवृत्ति देने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी जायेगी।

जूली प्रश्नकाल में विधायकों की ओर से इस सम्बन्ध में पूछे गये पुरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सही है कि जनघोषणा पत्र में आर्थिक रूप से पिछड़े प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को विशेष छात्रवृत्ति देने की घोषणा की गई थी। उन्होंने कहा कि इसकी अनुपालना एवं क्रियान्वयन के लिए समिति गठित की गई है तथा समिति द्वारा बैठक कर किस प्रकार योजना की क्रियान्वति की जाये यह तय किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके क्रियान्वयन के लिए 2 मार्च 2022 को शिक्षा विभाग की ओर से आवश्यक आदेश भी जारी किये जा चुके है। उन्होंने कहा कि इसकी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है तथा विभिन्न कक्षाओं के पूरे

परिणाम आने के बाद छात्रवृत्ति देने की प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी। इससे पहले विधायक जगदीश चन्द के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार का वर्तमान में 8 लाख रुपये निर्धारित राशि में वृद्धि का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नही है, क्योंकि उक्त 08 लाख रुपए का निर्धारण केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित मापदण्ड के अनुसरण में ही किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने आर्थिक रूप से पिछडें प्रतिभावान छात्र-छात्रओं की सहायता के लिये विशेष छात्रवृत्ति एवं अनुदान योजना प्रारम्भ करने की घोषणा की थी। उन्होंने योजना के क्रियान्वतयन के संबध में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग (ग्रुप-6) को प्रेषित प्रस्ताव की प्रति सदन के पटल पर रखी। जूली ने बताया कि आर्थिक रूप से पिछड़े प्रतिभावान छात्र-छात्राओं की सहायता के लिये विशेष छात्रवृत्ति एवं अनुदान योजना हेतु शिक्षा (ग्रुप-6) विभाग के पत्र क्रमांक प 3 (3) शिक्षा-6/2019 दिनांक 2 मार्च 2022 द्वारा माध्मिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर को दिशा-निर्देश जारी किये गये है। उन्होंने दिशा-निर्देश की प्रति सदन के पटल पर रखी। उन्होंने बताया कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आर्थिक रूप से पिछडे प्रतिभावान छात्र-छात्रओं की सहायता के लिये विशेष छात्रवृत्ति एवं अनुदान योजना हेतु माध्यमिक शिक्षा परीक्षा परिणाम के आधार पर आवेदन की प्रक्रिया प्रारम्भ की जा रही है।

23 सितम्बर से शुरू होगा तांगा स्टैंड पर रामलीला का मंचन

मरुधर विशेष युवराज शर्मा

अलवर। श्री रामलीला समिति की ओर से तांगा स्टैंड स्थित रंगमंच पर रामलीला का प्रदर्शन 23 सितम्बर से 6 अक्टूबर तक होगा। यह जानकारी समिति के अध्यक्ष श्री अनिल कालरा ने प्रेस वार्ता में दी। इस वर्ष नए नए बाल कलाकारो व नई साज सज्जा के साथ रामलीला का मंचन किया जाएगा। 6 अक्टूबर को रंगमंच पर राम-भरत मिलाप, राम हनुमान युद्ध की लीला का मंचन किया जाएगा। वही समिति के निर्देशक श्री हरिकिशन खत्री ने बताया कि कोरोना के दो वर्षो के बाद इस वर्ष रामलीला का मंचन होगा कोरोना के दो वर्षो में रंगमंच पर रामलीला नही हुई लेकिन समिति के सदस्यो द्वारा पूरे 14 दिन श्री रामायण जी का पाठ किया गया। 23 सितंबर को रामलीला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि अलवर जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा की राष्टीय उपाध्यक्ष श्री मति पूजा कपिल मिश्रा के द्वारा की जाएगी। अति विशिष्ट अतिथि के रुप में अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री ओमप्रकाश सहारण, व नगर

परिषद आयुक्त श्री धर्मपाल जाट होगे। विशिष्ट अतिथि के रुप में राकेश अरोड़ा अध्यक्ष जिला पुरुषार्थी समिति, नरेश तख्तानी अध्यक्ष सिंधु जाग्रति संगठन, दीवान चन्द सेतिया अध्यक्ष पंजाबी वैलफेयर सोसायटी अलवर होगे। पिछले 75 वर्षो से जनता के सहयोग से निःशुल्क व भव्य प्रदर्शन किया जा रहा है विभाजन से पूर्व जो अब पाकिस्तान बन चुका है वहा पर भी हमारे पूर्वजों द्वारा रामलीला का प्रदर्शन किया जाता था हिंदुस्तान में आने के बाद पूर्वजों ने उसी परम्परा को कायम रखते हुए सन 1948 को इस मंच की स्थापना कर रामलीला का प्रदर्शन किया तभी से निरंतर अब तक इस वर्ष हम 75वा रामलीला महोत्सव मनाने जा रहे हैं समय के परिर्वतन को देखते हुए पहले दर्शकों द्वारा स्वम् व्यवस्था की जाती थीं अब समिति द्वारा कुर्सियों की व्यवस्था की गई इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अनिल कालरा, सचिव जितेंद्र सेतिया, कोषाध्यक्ष जगदीश मिनोचा, निर्देशक हरिकिशन खत्री, सह निर्देशक विद्याभूषण ग्रोवर आदि मौजूद रहे

ऐतिहासिक कस्बा बड़ोद में नीट परीक्षा में श्रेष्ठ नंबरों से सफलता प्राप्त करने वाले छात्र, छात्रा का किया सम्मान

मरुधर विशेष/ हवासिंह चौधरी

बहरोड़। ऐतिहासिक कस्बा बड़ोद में नीट परीक्षा में श्रेष्ठ नंबरों से सफलता प्राप्त करने वाली छात्रा हर्षिता यादव पुत्री कृष्ण कुमार यादव ने 720 मे से 676 अंक एवं जेईई में सफलता प्राप्त करने वाले छात्र शुभम सैनी पुत्र दयाराम सैनी , केशव राजौरा पुत्र इन्द्र राजौरा के घर पहुंच कर भारतीय किसान यूनियन के राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष किसान नेता एवं सदस्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजस्थान बस्तीराम यादव ने छात्रा का शॉल उडाकर एवं छात्रों का साफा पहनाकर व मिठाई खिलाकर उनका सम्मान उत्साह वर्धन करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना का आशीर्वाद दिया।

इस अवसर पर पूर्व सरपंच श्योताज यादव सरपंच वेद कृष्णा डॉक्टर जयपाल यादव सैनी समाज बड़ोद के पूर्व

प्रधान अमीलाल सैनी पूर्व सरपंच रामौतार सैनी, नरेंद्र सैनी,पार्षद कैलाश सैनी दिनेश सैनी अशोक जांगिड़ राधेश्याम लखेरा ,रविशंकर सैनी, भूपेन्द्र सैनी, विजय कुमार सैनी, गिराज सैनी, इन्द्र कुमार राजौरा संजय सैनी गिराज राजौरा, इसी श्रंखला में कुछ दिन पहले भी नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाली कस्बा बडौद निवासी गर्विता गुप्ता दीया गुप्ता एवं अंकिता यादव का भी बस्तीराम यादव द्वारा सम्मान किया गया था।

सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ नारायणपुर के एकदिवसीय दौरे पर रहे

मरुधर हिन्द/ रमाकान्त शर्मा

बानसूर – जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड बुधवार को नारायणपुर क्षेत्र के एकदिविसय दौरे पर रहे। इस दौरान सांसद राठौड़ ने नारायणपुर क्षेत्र में आने वाले दर्जन भर गांवों का दौरा किया जहां उनका क्षेत्रवासीयों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर सांसद राठौड ने विश्व शांति दिवस के अवसर पर क्षेत्रवासियों को प्रेम, प्यार, सुख, चैन व समरसता का संदेश दिया। अनेक मुद्दों पर मुखर होकर आम जनता को संबोधित किया ।सासंद ने सांसद कोटे से निर्माणाधीन योजनाओं का उद्घाटन कर समाज को समर्पित किया। और लंपी महामारी से ग्रस्त गोवंश के लिए गौशालाओं में भी बढ-चढकर सांसद निधि से राशि स्वीकृत की। सांसद राठौड़ बुधवार को नारायणपुर, मुंडावरा, बामनवास, अजबपुरा, कानपुरा, खरखडी, गढी, चांदपुरी के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होनें राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं पर भी कटाक्ष किया। इस मौके पर महेन्द्र यादव, पूर्व यूआईटी चेयरमैन देवी सिंह, सुरेश कपूरिया, कृष्ण पहलवान, मुन्ना टेलर, रामस्वरूप सैनी, विक्रम मीणा, मुकेश गोठवाल पार्षद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मुंडावर कस्बे में गौ रक्षा दल व मुंडावर वासियों ने लम्पी वायरस व घायल गौ माताओं की मरहम पट्टी कर किया उपचार

मरुधर विशेष/हवासिंह चौधरी

मुण्डावर। लंबे समय से हो रही लम्पी वायरस के कारण गौ माताओं की मृत्यु को लेकर सरकार ने कोई राहत के लिए ठोस? कदम आगे नहीं बढ़ाया तो मानवता दिखाते हुए मुंडावर के गोरक्षा प्रेमियों ने अपने स्तर पर लम्पी वायरस से ग्रस्त अनेकों गो माताओं का दवा लगाकर मरहम पट्टी कर उपचार किया । साथ ही गोरक्षा प्रेमी चेतन तनवानी ने आमजन को जागरूक करते हुए एक अपील की जिसमें बताया कि आप लोगों को जन्मदिन या शादी की सालगिरह या कोई विशेष पार्टी आदि जब भी आप मनाते हो तो गौ माता के लिए भी जैसे खाने का चारा, गुड़ की पेटी,उपचार सामग्री ,या जिस प्रकार की आप सहायता कर सके। गौ माता के लिए वह पहुंचाने का कष्ट करें जिससे कि हिंदू धर्म में गौ माता को सर्वोपरि माना गया है तो फिर हम लोग कैसे इनकी आंखों में दर्द के आंसू देख सके और दर्द से तड़पती इन बेजुबान प्राणी को क्यों ना हम जीवनदान देने में अपना अपना सहयोग करें। और कहां की गौ माता की सेवा करना हमारा पहला धर्म है।

गौ माता की सेवा में छोटे-छोटे बाल गोपाल की सेवा

मरूधर विशेष/प्रवीण पिल्लई

आज विद्याधर नगर विधायक नरपत सिंह राजवी ने श्री श्याम मंदिर में लड्डू बना रहे बच्चों की हौसला अफजाई की ।बच्चों के साथ में लड्डू बनवाकर गाय माता को किस प्रकार से लंपी रोग से बचाना है इसकी जानकारी भी दी। श्री श्याम मंदिर ,विजयवाड़ी ,पथ नंबर 7 ,मुरलीपुरा में गाय माता के लिए औषधि युक्त लड्डू बनाए जा रहे हैं आज की सेवा में छोटे-छोटे स्कूल के बच्चों ने सेवा दी ।बच्चों ने अपने हाथों से गाय माता के लिए लड्डू बनाए ।आज स्वामी विवेकानंद विद्यालय एवं संस्कृति चिल्ड्रन एकेडमी के बच्चों ने गाय माता के लिए सेवाएं दी। पार्षद सुरेश जांगिड़ एवं हरिओम जन सेवा समिति के अध्यक्ष पंकज गोयल ने बताया कि औषधि युक्त लड्डुओं में सनाय पत्ती ,काला जीरी ,आंवला, हल्दी, काली मिर्ची, मुलेठी ,बला बीज, गुड ,घी, तिल्ली तेल, सेंधा नमक आदि सामग्री काम में ली जा रही है । श्री श्याम मंदिर समिति के पदाधिकारी श्याम सुंदर गोवला एवं नथमल चौमाल ने बताया कि गाय माता के लिए लगभग 5 लाख लड्डू बनाने का लक्ष्य तय किया गया है ।मंदिर समिति राजस्थान के हर जिले में निशुल्क लड्डू पहुंचा रही है ।हरिओम जनसेवा समिति के द्वारा गाय माता के लिए जगह जगह औषधि युक्त आयुर्वेदिक दवाइयां का छिड़काव किया जा रहा है। समिति द्वारा निशुल्क होम्योपैथिक एवं आयुर्वेदिक दवाइयां भी दी जा रही है। बजरंग दल के संयोजक अजय कांत पारीक एवं मनोज अग्रवाल के द्वारा गाय माता के लिए घर-घर से रोटियां भी एकत्रित की जा रही है। रोटी ओर चारे को हरिओम जन सेवा समिति गाय माता के उपचार के लिए विद्याधर नगर विधायक नरपत सिंह राजवी द्वारा खोले गए सेंटर सनसिटी हरमाड़ा पर पहुंचा रही है। उपचार सेंटर पर गाय माता का इलाज प्रशिक्षित डॉक्टरों के द्वारा किया जा रहा है मां सुरभि चैरिटेबल ट्रस्ट गौशाला की एंबुलेंस के द्वारा जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों से बीमार गायों को सेंटर पर लाकर इलाज करवाया जा रहा है। सेंटर पर बहुत से स्वयं सेवक सेवा कार्यों में 24 घंटे लगे हुए हैं।

पूर्व जिला अध्यक्ष पंडित धर्मवीर शर्मा ने जिला स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

मरुधर विशेष रुपेश शर्मा

भारतीय जनता पार्टी अलवर दक्षिण के द्वारा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस सेवा पखवाड़ा (पांचवें दिन) invitation GARDAN में दो दिवसीय(21-22 सितम्बर) जिलास्तरीय प्रदर्शनी संजय सिंह नरूका जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर जिला स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन पूर्व जिला अध्यक्ष पंडित धर्मवीर शर्मा ने किया । जिला उपाध्यक्ष व सेवा पखवाडा के जिला संयोजक प्रमोद विजय ने बताया कि पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मवीर शर्मा ने आचार्य धर्मेन्द्र जी के श्री राम जन्मभूमि आन्दोलन में उनकी भूमिका को याद करते हुए उनसे सम्बंधित संस्मरणों को बताया, साथ ही सम्पूर्ण भाजपा परिवार द्वारा दो मिनट का मौन रखकर श्रदांजली अर्पित की ।

बचपन एक ईमारत की नीव जैसा होता है नीव जितनी मजबूत हो ईमारत उतनी ही उपर जा सकती है 7 भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कहानी भी ऐसी है 7 उन्होंने 7-8 साल की उम्र में

मगरमच्छो से भरे तालाब में तैरकर मंदिर पर ध्वज लहराया 7 कर्म के प्रति समर्पण में वे किसी भी काम को छोटा या बड़ा नही समझते 7 देश भक्ति की शक्ति तथा किताबो के समुन्दर के गोताखोर नरेन्द्र मोदी एक जिज्ञाशु पाठक थे 7 उन्होंने स्वामी विवेकानंद महात्मा गाँधी डा अम्बेडकर विनोबा भावे वीर सावरकर और बेंजामिन फ्रैंकलिन जैसे महापुरुषों की जीवनी को पढ़कर उनसे सीखे मूल्यों को आत्मसात किया 7

सांसद महोदय महंत बालक नाथ योगी ने मोदी के व्यक्तित्व और कृतित्व की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मोदी देश की सेवा कैसे करू ? और कहा से शुरू करू ? मैं अपने राष्ट की सेवा कैसे करू ? साधू बनना चाहिए या सैनिक ? हिमालयो की घाटी में घूमते हुए उन्हें अपना उत्तर मिला ड्ड देश सेवा का मार्ग7 वह जीवन भर के लिये स्वयं सेवक बने और माँ भारती के लिये अपना सवर्स्व समर्पित करते हुए एक कठिन जीवन व्यतीत करने का निर्णय लिया 7 अभूतपूर्व विकास अनुपम परिणाम - गुजरात में एयरपोर्ट जैसे बस स्टेशन बनाया 7 आजादी के बाद पहली बार बड़ी सोच बड़ी परिवार 7 वन रैंक वन पेंशन का निर्णय आपने लिया 7 मेरे देश के जवान तुझको शत शत प्रणाम 7 बेहतर हथियार , नए लड़ाकू विमान और स्वदेशी रक्षा उपकरणों से भारतीय सेना की क्षमता में बढोतरी हुई और ये सब पीएम मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ।

सभी मंडल अध्यक्ष कार्यकारणी सहित सेवा पखवाड़े में प्रदर्शनी देखने आयेंगे (

जिला स्तरीय प्रदर्शनी मे सह संयोजक सीताराम किराड़, रामकिशन मेघवाल , उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता ,देशराज वर्मा लक्ष्मी जाटव महामंत्री पवन जैन शिवलाल मीणा मंत्री दीपक पंडित जितेंद्र राठौड़ देशराज खरेरा, युवा मोर्चा तरुण जैन , किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष गोवर्धन सिसोदिया ,महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता सैनी ,अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष इब्राहिम खान , राहुल खान प्रकोष्ट संयोजक हरिओम सिंह नरूका , मुकेश विजय पंकज सुमन चौधरी मंडल अध्यक्ष मनोज चौहान राजेंद्र सैनी तुलसी नावलिया,पूर्व चैयरमैन अशोक खन्ना , बाबूलाल मैनेजर नरेश यादव गगनदीप , विक्की प्रधान ,महेश मीना, विकास तिवारी, प्रदीप जैन, सुनील यादव प्रीति विजय लोकेश रावत लक्ष्मी विजय आरती बहुगुणा रीता सेठी पदमा गोयल हुकुम परेवा विक्की वाल्मिक बाबूलाल खंडेलवाल विमला जांगिड पंडित जले सिंह ,पंकज यादव ,रजनीश , जीतू चौधरी ,प्रियांश अरोडा भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। और जिला संयोजक सेवा पखवाडा प्रमोद विजय जी ने सबको धन्यवाद दिया

12 फीसदी आरक्षण की मांग को लेकर सैनी समाज ने रखी सब्जी मंडी बंद

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां- माली, कुशवाह ,शाक्य मौर्य समाज को अलग से 12% आरक्षण सहित अन्य मांगों को लेकर फुले ब्रिगेड एवं सैनी समाज कामां द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन के अंतर्गत बुधवार को कामां सब्जी मंडी को बंद रखकर विरोध प्रदर्शन किया गया। सैनी समाज कल्याण परिषद के जिलाध्यक्ष रूपबसंत सैनी ने बताया कि महात्मा ज्योतिबा फुले कल्याण बोर्ड के गठन,फुले फाउंडेशन का निर्माण ,सैनी समाज को अलग से 12% आरक्षण, सैनी रेजिमेंट का गठन, महात्मा ज्योतिबा फुले को भारत र% देने,महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के दिन राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने सहित अन्य मांगों को लेकर सैनी समाज द्वारा आंदोलन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत समाज के युवाओं द्वारा 15 सितंबर को जयपुर में पड़ाव डाला गया था इस दौरान सरकार द्वारा समाज के लोगो पर लाठीचार्ज कर दिया गया था पड़ाव के दौरान अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करने वाले 84 लोगों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया और उनके खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कर दिए गए रूपबसंत सैनी ने बताया कि बुधवार को कामां सब्जी मंडी बंद कर सरकार द्वारा सैनी समाज पर किए गए लाठीचार्ज की घटना की निंदा का विरोध प्रदर्शन किया गया और सरकार से सैनी समाज की मांगों को पूरी करने की मांग की गई।

अऊ गॉव ने जीती कबड्डी प्रतियोगिता

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां- कामां कस्बे के गया कुण्ड मोहल्ला में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें अऊ गांव की टीम ने फाइनल मुकाबला जीतकर खिताब पर कब्जा किया। नगर पालिका पूर्व पार्षद शंभू मीणा ने बताया कि हर वर्ष आयोजित होने वाली यह कबड्डी की इस बार गया कुंड मोहल्ला स्थित नवनिर्मित उपखंड अधिकारी कार्यालय परिसर के खेल मैदान में आयोजित आयोजित की गई जिसका शुभारंभ समाजसेविका जावित्री देवी मीणा द्वारा दीप जलाकर किया गया इस प्रतियोगिता में राजस्थान के अलावा यूपी व हरियाणा की सोलह टीमों ने भाग लिया फाइनल मुकाबला भरतपुर अऊ गांव की टीम व कामा कस्बे के गयाकुण्ड मौहल्ला टीम के मध्य हुआ फाइनल मुकाबले में अऊ गॉव की टीम ने विजय हासिल की विजेता टीम को जावित्री देवी मीणा द्वारा ?11हजार रूपये का नगद पुरस्कार व शील्ड प्रदान की गई इसके अलावा उपविजेता टीम को ?51 सौ रूपये का नकद पुरस्कार व शील्ड प्रदान की गई प्रतियोगिता में पार्षद लेखराज उर्फ सेठी मीणा मीणा सहित सभी मोहल्ले वासियों का विशेष सहयोग रहा।

ग्राम साथियों ने किया पौधारोपण कार्यक्रम और बालिकाओं को गुड टच बेड के बारे में बताया

मरूधर विशेष/ दिनेश लेखी

कठूमर। 21 सितंबर 2022 को ब्लॉक कठूमर में ग्राम पंचायत कुट्टीन शाबदास मे साथीन ललिता मीणा के द्वारा पौधारोपण कार्य किया गया। ग्राम पंचायत मथुराहेडा साथिन कांता देवी के द्वारा किशोरी, बालिकाओं की बैठक की गई। जिसमें बालिकाओं को गुड टच बेड टच के बारे मे बताया और उनमें होने वाले मासिक शारीरिक परिवर्तनों के बारे में समझाया। ग्राम पंचायत साथिन दांतिया,साथिन रंजना व ग्राम पंचायत नाटोज़ साथिन मंजू जांगिड़ ने एसएचजी की बैठक की जिसमे महिलाओ को शिक्षा सेतु योजना,और इन्दिरा महीला शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के बारे में विस्तार पूर्वक समझाया।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण एवं एंटीक्रप्सन ब्यूरो के बलदेव चौधरी बने जिलाध्यक्ष

मरूधर विशेष / दिनेश लेखी

कठूमर। कठूमर के रेटा गांव निवासी बलदेव चौधरी को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण एवं एंटीक्रप्सन ब्यूरो के राष्टीय अध्यक्ष एस.एम शाह की सहमति से राजस्थान अध्यक्ष सुरेखा शर्मा ने अलवर जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। जिलाध्यक्ष को नियुक्ति के साथ अलवर जिले की सभी तहसीलो में ब्लाक अध्यक्ष नियुक्त करने और संगठन को मजबूत करने के निर्देश दिये है।

तिजारा निकटवर्ती गांव राईखेड़ा में कच्छा धारी, गैंग ने की चोरी

मरुधर विशेष राकेश सैनी

तिजारा के निकटवर्ती राईखेड़ा गांव में बीती रात्रि को कच्छा धारी गिरोह ने एक मकान पर धावा बोलकर ?55 हजार की नगदी करीब ?2 लाखके आभूषण कपड़े चोरी कर फरार हो गए। तूफान सिंह ग्राम राईखेड़ा ने तिजारा थाने में एक रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बीती रात्रि को 2से 3के बीच मेरे घर में करीब आधा दर्जन कच्छा धारी गैंग घुस गई ।जिसने घर में रखें अलमारीका ताला तोड़कर उसमें रखे 55 हजार लगदी वह चांदी की पाजेब चांदी के सिक्के बच्चों की चांदी की पाजेब ,सोने का ओम, सोने के टॉप्स आदि आभूषण वह कपड़े लेकर फरार हो गए। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली है और चोरों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है ।

पत्रकार सुरक्षा कानून एवं अन्य मांगों को लेकर शहीद स्मारक पर ध्यानाकर्षण धरना

मरूधर विशेष /महावीर सिंह चौहान

जयपुर। जैसा की ज्ञात हो कि विगत कुछ वर्षों से राजस्थान में पत्रकारों पर आए दिन हमले हो रहे हैं उनको जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं राज्य की राजधानी जयपुर भी इससे अछूती नहीं है। इसी संदर्भ में पीरियोडिकल प्रेस ऑफ इंडिया एक बार फिर पत्रकारों की हितों की रक्षा के लिए शहीद स्मारक कमिश्नरेट के सामने विशाल धरना देने जा रही है और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ध्यान दिलाना चाहती है कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में भी पत्रकारों के लिए कई वादे किए थे लेकिन लगभग 4 साल होने को आए मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के लिए वादों को अभी तक अमलीजामा पहनाने में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र में किए वादों में मुख्य रूप से पत्रकार सुरक्षा अधिनियम कानून लागू करने, लंबित आवासीय योजना को जल्द निस्तारित करने, डिजिटल मीडिया को मुख्यधारा से जोड़ने अधिस्वीकरण नीति में सरलीकरण करने आदि सम्मिलित हैं। लेकिन अफसोस कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की रक्षा के लिए गहलोत सरकार ने गंभीरता के साथ अबतक कोई उचित कदम नहीं उठाया है। इसी संदर्भ में पीरियोडिकल प्रेस ऑफ इंडिया गहलोत सरकार के ध्यानाकर्षण के मध्य नजर अपनी जायज मांगों को लेकर 24 सितंबर शनिवार को विशाल धरना देने जा रही है। इससे पहले भी पीपीआई अनेकों बार गहलोत सरकार को अपनी मांगों के प्रति अवगत कराती रही है। सभी पत्रकार साथियों,पत्रकार संगठनों, सामाजिक धार्मिक संगठनों एनजीओ एवं आम जनता को आह्वान करती है की लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा कायम रखने के लिए चौथे स्तंभ मीडिया की रक्षा के लिए आप सब शहीद स्मारक पा भारी संख्या में समर्थन पत्र के साथ अवश्य पधारें।

तिजारा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा आम सभा तहसील के सामने की जाएगी

मरुधर विशेष राकेश सैनी

तिजारा कस्बे में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा तहसील के सामने आम सभा 23 सितंबर को की जाएगी नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन कमलेश सैनी ने बताया कि महंगाई ,बेरोजगारी ,भ्रष्टाचार अपहरण ,फिरौती , रहाजनी डकैती ,साइबर क्राइम, एटीएम उखाड़ने जैसे जघन्य अपराधों के साथ-साथ जनविरोधी नीति सांप्रदायिकता ,विद्युत संशोधन विधेयक पालिका द्वारा द्वारा विकास कार्य के 14 करोड रुपए पीडब्ल्यूडी को देने प्रतिपक्ष राजनीतिक दलों पर ईडी की छापेमारी जैसी समस्याओं पर प्रकाश डाला जाएगा यह आम सभा तहसील परिसर के सामने की जाएगी आम सभा को भाकपा के प्रदेश के वरिष्ठ नेता तारा सिंह सिद्धू अलवर से जगदीश शर्मा तेजपाल सैनी राजकुमार बख्शी पूर्व चेयरमैन कमलेश सैनी आदि नेतागण आम सभा को संबोधित करेंगे।

तिजारा 22 सितंबर को होगा प्रथम भव्य आदर्श रामलीला मंचन का शुभारंभ

तिजारा । आदर्श अभिनय समाज सेवा समिति रजिस्टर्ड तिजारा द्वारा 14 सितम्बर को चरीवाला मैदान , शिव मंदिर रोड , वार्ड नंबर 5 तिजारा पर प्रथम भव्य आदर्श रामलीला मंचन का शुभारंभ किया जाएगा ! संस्थापक इंदर सिंह दहिया ने बताया कि आदर्श अभिनय समाज सेवा समिति , तिजारा विगत 38 वर्षो से रंग मंच के माध्यम से धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम करती आ रही है ! इस बार समिति के बैनर तले नई तकनीकी से रामलीला मंचन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें एलईडी स्क्रीन डिजिटल पर्दे पर चल चित्रों के माध्यम से रामलीला मंचन के मनमोहक दृश्य दिखाए जाएंगे ! डॉ. ठाकुर सिंह पालीवाल के निर्देशन में 50 फुट के विशाल रंगमंच पर नई सीन सीनरियों के साथ हरिओम सैनी , सुधीर लखेरा , एडवोकेट सुल्तान सिंह पालीवाल , राधे सैनी , कैलाश सिंधी , कपिल जैन , हिमांशु कटारिया , सुभाष अग्रवाल , कपिल अग्रवाल , पुरुषोत्तम गजमोती , दिनेश जांगिड ,उग्रसेन सैनी , पंडित वेद प्रकाश शर्मा , राहुल सैनी , सचिन जांगिड़ , मोहित सैनी , यशवंत चौहान , तिलक मरदाने , हितेष जांगिड , आलेख लखेरा , दक्ष शर्मा , शुभम जांगिड़ , वीरेन्द्र वीरू , मोनू सैनी , सूरज सैन , प्रेम चंद आदि कलाकार अपनी भूमिका के अनुरूप अपने अभिनय की प्रस्तुति देंगे ! रामायण वाचन पंडित टेकचंद जी शर्मा द्वारा किया जाएगा तथा सोनिया डांसर मथुरा द्वारा मनमोहक नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे ! रामलीला मंचन आयोजन समिति का गठन कर अशोक अग्रवाल अध्यक्ष , निरंजन सैन उपाध्यक्ष हरिनारायण शर्मा सचिव व किरोड़ीमल सिंधी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है !

मवेशियों में फेले लम्पी वायरस के रोग उपचार में विप्र फाउंडेशन दे रहा महत्वपूर्ण योगदान

बांसवाड़ा ब्यूरो चीफ अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा। होम्योपैथिक दवा बनी मवेशियों के लिएं वरदान, लम्पी वायरस के ईलाज में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं,वही बांसवाड़ा जिले से रोज़ाना आते आकडे धरती पुत्रों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा सकती है। पशुपालन विभाग लम्पी वायरस को लेकर पुरी तरह मुस्तेद है। लेकिन यह लम्पी वायरस दिनों-दिन एक गांव से दुसरे गाव ओ में दस्तक देता नजर आ रहा है। वहीं इन मुक बधीर मवेशियों में फेले लम्पी वायरस के ईलाज के लिए विप्र फाउंडेशन ने अब कमान अपने हाथों में संभाल ली है। जेसे ही राजस्थान के बांसवाड़ा जिले सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लम्पी वायरस की खबरें आने लगी तब से विप्र फाउंडेशन ने होम्योपैथिक दवा लाकर मवेशियों का उपचार करना शुरू किया है जो सरहानिय है,।विप्र फाउंडेशन के कुशलगढ़ में हेमेंद्र पंडया हो चाहें छोटी सरवा के देव जोशी या फिर बड़ी सरवा के आंनद ने सहित विप्र फाउंडेशन के पुरे ज़िले में मवेशियों में फेले लम्पी वायरस के रोग उपचार हेतु निशुल्क होम्योपैथिक दवा देकर मवेशियों को बचाने का काम बखुबी ईमानदारी से निभा रहे हैं, खेड़ा धरती घाटा क्षेत्र के छोटी सरवा के समाज सेवी व विप्र फाउंडेशन के बेनर तले धरतीपुत्र देव जोशी के पास आते हे ज़हां से होम्योपैथिक दवा लेकर धरती पुत्र अपने मवेशियों को पिलाते हैं जिसके चलते मवेशी लम्पी वायरस के रोग से ठीक भी हो रहें हैं, प्राप्त जानकारी अनुसार विप्र फाउंडेशन ने सेकडो मवेशियों को दवाई निशुल्क उपलब्ध कराई गई है,इधर धरतीपुत्रों ने बताया कि यदी विप्र फाउंडेशन समय पर ईलाज हेतु दवाईयां उपलब्ध नहीं कराता तो क्षेत्र में अनेक पशु लम्पी वायरस की चपेट में आ कर दम तोड सकते थे, लेकिन विप्र फाउंडेशन की अच्छी पहल ने मुक बधीर मवेशियों के लिए समय पर ईलाज हेतु दवाईयां उपलब्ध कराई गई,जो अपने आप में एक अच्छी पहल है। ये जानकारी देवू भाई जोशी ने दी।

खेरली रेल पेट्रोल पंप पर हुई लूट का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, एक बाल अपचारी किया निरुद्ध

मरूधर विशेष / दिनेश लेखी

खेरली। थाना पुलिस ने खेरली रेल में 1 माह पहले कट्टा दिखाकर हुई लूट का पर्दाफाश करते हुए लूट के मुख्य आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार किया है। एवं एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया है ।

थानाधिकारी राजवीर सिंह शेखावत ने बताया कि खेरली रेल स्थित इंडियन पेट्रोल पंप करीब 1 माह पहले एक बिना नंबरी मोटरसाइकिल पर आए 3 युवकों द्वारा मुनीम सचिन से कट्टा दिखा कर जेब में रखे सोलह हजार रूपए लूट कर ले गए थे। जिसका मामला मुनीम द्वारा दर्ज कराया गया था। अज्ञात बदमाशों द्वारा हथियार दिखाकर लूट की घटना को गंभीरता से लेते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देशन में टीम का गठन किया गया जिसने कस्बा सहित आसपास की सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल करते हुए लूट के मुख्य आरोपी विष्णु पुत्र प्रहलाद जाति अहीर उम्र 20 साल निवासी नगली तरफ टोडा पुलिस थाना बहतु कला को गिरफ्तार किया है साथ ही एक बाल अपचारी को भी निरुद्ध किया है।

उद्योग मंत्री द्वारा विधायक मद से राजकीय विद्यालयों का बकाया बिजली बिल जमा करवाया

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर - उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने बानसूर क्षेत्र की 12 राजकीय विद्यालयों का बकाया बिजली बिल 670822 लाख रूपये जमा करवाया। स्कूलों में पहले से बिजली कनेक्शन था लेकिन बकाया बिल जमा नहीं करवाने के कारण 12 स्कूलों के बिजली विभाग की ओर से कनेक्शन काट दिए गए थे। उद्योग मंत्री ने विधायक मद से सभी 12 विद्यालयों का बकाया बिल जमा करवाकर विद्यालयों में कनेक्शन चालू करवा दिए ।

अब बानसूर क्षेत्र में कोई भी स्कूल बिजली विहीन नहीं है। सभी स्कूलों में बिजली की व्यवस्था सुचारु रुप से चालू है। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भूरियावास (बामनवास) में राशि - 45393,राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय घासीकाला (गिरुडी) में राशि - 28672,राजकीय प्राथमिक विद्यालय घाट (बहराम का बास) में राशि - 96469,राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय उधोकाबास (रतनपुरा) में राशि -57768,राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय होलावास में राशि - 40783,राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय झीझारपुर (खेड़ा) में राशि -54009,राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कोठिया (बबेरा) में राशि - 88703, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पलसाना की ढाणी (बहराम का बास) में राशि - 47113, राजकीय प्राथमिक विद्यालय कीरो की ढाणी (चतरपुरा) में राशि - 42245,राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय आड़ी गैली (चतरपुरा) में राशि - 34739, राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय नीमूचाना में राशि - 46435, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय दामोदर का बास (छींड) में राशि - 88493 विधायक मद से जमा करवाई गई। विद्यालय परिवार ने मंत्री का आभार व्यक्त किया।

वर्धमान स्थानकवासी संघ कुशलगढ़ द्वारा पांच दिवसीय अणु स्मृति मनाया जा रहा

बांसवाड़ा ब्यूरो चीफ अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। स्थानक भवन कुशलगढ़ में विराजित पूज्या श्री सुव्रताजी महाराज साहब के सानिध्य में श्री वर्धमान स्थानकवासी संघ कुशलगढ़ द्वारा आचार्य प्रवर पूज्य गुरुदेव श्री उमेश मुनि जी महाराज साहब की पावन स्मृति दिनांक 18.9.2022 से 22.9. 2022 तक पांच दिवसीय "अणु स्मृति दिवस" के रूप में मनाई जा रही है। आज दिनांक 21.9.2022 को धर्मसभा में पूज्या श्री सरिकाश्री जी महाराज साहब ने भावविभोर करने वाले स्तवन के माध्यम से गुरुदेव का गुणानुवाद किया। धर्मसभा में "साध्वी पूज्या श्री सुव्रताजी" ने बताया कि आज हमारे उद्धारक अनंतानंत उपकारी, जस्ते को कंचन बनाने वाले, कोयले को कोहिनूर बनाने वाले जैन शासन के चमकते सितारे आचार्य भगवंत पूज्य उमेश मुनि जी महाराज साहब का पुण्य स्मृति दिवस है। माता पिता तो मात्र इस जन्म तक उपकारी है, पर गुरुदेव तो लोक परलोक दोनों सुधारते हैं। गुरुदेव में निर्लोभता का गुण जबरदस्त था तथा उन्हें शिष्य, भक्तों का कोई लोभ नहीं था। वे हमेशा पद लिप्सा से दूर रहते थे व आचार्य होकर भी स्वयं को चौकीदार मानते थे। प्रचार मंत्री विशाल गादिया ने बताया पाच दिवसीय कार्यक्रम में गोचरी दया, प्रश्नमंच, 36 का वंदना आयोजन किया। तीन दिवसीय सामूहिक एकासन प्रथम, द्वितीय दिन 60-60 व तृतीय दिन 100 से अधिक तपस्वियों द्वारा आयंबिल भवन में सामूहिक एकासन किया गया। अध्यक्ष रजनीकांत खबिया, प्रशांत नाहटा, अमित लुनावत, महिला मंडल, अणु भक्ति मंडल द्वारा आचार्यश्री का गुणानुवाद किया। ये जानकारी विशाल गादिया ने दी।

राव तुलाराम शहीदी दिवस मनाया जायेगा

नरेन्द्र शास्त्री / मरुधर विशेष

बहरोड़। क्षेत्र के ग्राम पदमाडा खुर्द मे 23 सितम्बर को 1857 की क्रांति के अमर शहीद हरियाणा के राज नायक राव तुलाराम का शहीदी दिवस मनाया जायेगा 7 यह जानकारी नरेन्द्र शास्त्री व ललित यादव राठ इंस्टिट्यूट ने दी 7 नरेन्द्र शास्त्री ने बताया की महापुरुषों का जीवन हमारे लिए प्रेरणास्पद है हमे उनकी जयंतियों व उनसे जुड़े दिवसो को आमजन के सामने इस तरह से प्रस्तुत किया जाना चाहिए जिससे आमजन को प्रेरणा मिल सके।

श्री वीर हनुमान सेवा समिति ने किया पंचम विशाल पदयात्रा के पोस्टर का विमोचन

मरूधर विशेष/पुष्पेंद्र कुमार शर्मा/बांसा

ग्राम पंचायत बांसा (कुशलपुरा) श्री वीर हनुमान सेवा समिति के तत्वावधान में पंचम विशाल पदयात्रा के पोस्टर का विमोचन किया गया । बांसा निवासी विष्णु शर्मा ने बताया कि विगत वर्षो से लगातार सामोद पर्वत पर विराजित बालाजी महाराज की गाजे बाजे के साथ भव्य पदयात्रा का आयोजन किया जाता है । इस वर्ष भी सोमवार 26 सितम्बर को एक विशाल पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा हैं जिसमें आसपास गांव के युवा महिला बुजुर्ग एवम बच्चे इस पंचम पदयात्रा का हिस्सा बनेंगे । समिति सदस्यों ने बताया कि विशेष अनूठी बात तो यह है कि सामोद पहाडी पर स्थित बालाजी महाराज का मंदिर राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे भारत वर्ष में प्रसिद्ध हैं । यहां दूर दराज क्षेत्रों से अनेको लोग पदयात्राएं लेकर आते है और नारियल प्रसाद चढाकर सुख समृद्धि की कामना करते हैं । पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में समिति के सदस्य संतोष पंचौली दूलीचंद जीतू कमल कुमार गौरव विवेक नवल संजय सहित अनेको ग्रामवासी मौजूद रहे ।

यंग इण्डिया फाउंडेशन ने किया रक्तदान शिविर पोस्टर का विमोचन

मरूधर विशेष/पुष्पेंद्र कुमार शर्मा/सामोद

चौमू तहसील की ग्राम पंचायत सामोद में यंग इंडिया फाउंडेशन ने 2 अक्टूबर 2022 को होने वाले विशाल रक्तदान शिविर पोस्टर का विमोचन किया । कार्यक्रम में सामोद सरपंच बरजी देवी पूर्व सरपंच भगवान सहाय गिरणा एवम् समस्त ग्रामवासीयों ने मिलकर पंचायत परिसर में रक्तदान शिविर पोस्टर का विमोचन किया । समाजसेवी जितेन्द्र कुमार सैनी ने बताया कि रविवार 2 अक्टूबर 2022 को सामोद त्रिवेणी गार्डन में प्रथम विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा हैं । जिसमें सभी ग्रामवासी और युवाओं से आग्रह किया कि हम सभी को मिलकर इस पुनीत कार्य में आगे आना होगा जिससे हम मानव जाति को नया जीवनदान दे सके । इस अवसर पर फाउंडेशन टीम के सूर्यकांत सौकिल रामधन गुर्जर पप्पू राम मुडरूं ललित प्रजापत ओम प्रकाश सुनील जितेन्द्र सहित अनेक सदस्य मौजूद रहें ।